DI-001-001403 Seat No. _____

B. A. (Sem. IV) (CBCS) Examination

March - 2022

Hindi : Paper-8 (Core Paper)

(Chhayavadottar - Kavya Vaibhav)

(Old Course)

Faculty Code : 001

Subject Code : 001403

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : (१) सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

(२) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

(३) सभी प्रश्न के अंक दाहिनी ओर निर्दिष्ट हैं ।

१ 'मधुशाला' काव्य हृदय को नैसर्गिक भावों का उद्‌गार हैं ।' – इस कथन की चर्चा कीजिए । १४

अथवा

१ 'बंगाल का काल' कविता का केन्द्रिय भाव स्पष्ट कीजिए । १४

२ 'नदी के द्वीप' कविता में व्यक्त कवि का समाज सापेक्ष स्वरूप प्रस्तुत कीजिए । १४

अथवा

२ 'प्रेत का बयान' काव्य में स्वतंत्र भारत के एक शिक्षित मनुष्य के जठराग्नि की विभिषिका का वर्णन हैं । – स्पष्ट कीजिए । १४

३ भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से हरिवंशराय बच्चनजी की पठित रचनाओं का मूल्यांकन कीजिए । १४

अथवा

३ प्रगतिवादी काव्यधारा की प्रमुख विशेषताओं के आधार पर कवि नागार्जुन का काव्य का मूल्यांकन कीजिए । १४

४ 'रोटी और संसद' काव्य में वर्तमान प्रशासन व्यवस्था पर करारा व्यंग्य किया गया है । – सोदाहरण समझाईए । १४

अथवा

४ 'साँप' कविता में व्यक्त कवि के व्यंग्यार्थ को सोदाहरण समझाईए । १४

५ टिप्पणी लिखिए : (किन्हीं **दो**) १४

(१) 'अकाल और उसके बाद' काव्य का केन्द्रिय भाव ।

(२) 'जो बीत गई सो बात गई' काव्य में व्यक्त संदेश ।

(३) हालावाद के प्रवर्तक कवि बच्चनजी ।

(४) जन–साधारण के कवि : घूमिल ।